कीज़डी/कीलड़ी (Keezhadi) खुदाई: दक्षिण भारत की नगरीय सभ्यता का खजाना

चर्चा में क्यों है? (Why in News)

- मई-जुलाई 2025 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने पुरातत्वविद K. अमरनाथ रामकृष्णन से उनसे प्राप्त 982-पृष्ठ रिपोर्ट में "वास्तविक काल निर्धारण (chronology)" और वैज्ञानिक विवेचना हेतु सुधार की माँग की। लेकिन रामकृष्णन ने अपनी रिपोर्ट की वैधता पर स्पष्ट आधारित वैज्ञानिक विधियों (stratigraphy, AMS डाटिंग) के साथ खड़े रहने की घोषणा की है।
- हालाँकि, संसद में बताया गया कि ASI ने Tamil Nadu State Archaeology Department से कोई संशोधित रिपोर्ट नहीं मांगी है, और राज्य अपनी खुदाई स्वयं संचालित कर रहा है, जबकि ASI केवल तकनीकी अनुमति देती है।

स्थान और प्रारंभिक पृष्ठभूमि

- Keezhadi (कीज़डी) तमिलनाडु के शिवगंगा ज़िले (Sivaganga district) में Vaigai River के किनारे, मदुरै से लगभग 12 किमी दक्षिण पूर्व में है।
- 2013–14 में Vaigai valley के 293 स्थलों का सर्वेक्षण किया गया था, जिनमें से कीज़डी को खुदाई योग्य चुना गया।
- खुदाई कार्य 2015 में ASI ने शुरू किया: पहले तीन चरण ASI के नेतृत्व में हुए और 2018 के बाद Tamil Nadu Archaeology Department ने कार्य संभाला।

खुदाई का दायरा (Excavation Scope)

- साइट का अनुमानित दायरा लगभग 100 एकड़ है, लेकिन केवल लगभग 1 एकड़ क्षेत्र में खुदाई हुई है,
- अब तक 18,000 से अधिक पुरावशेष (artefacts) पाए जा चुके हैं, जिसमें 4,000 से प्रारंभ हुआ संग्रह अब 5,300 से अधिक हो चुका है।

प्रमुख निष्कर्ष (Key Findings)

- नगरीय संरचना (Urban Features): ईंटों से बने घर, छल्ले वाले कुएँ (ring wells), जल संचयन युक्तियों, सड़क सीमाएँ, छत टाइलें आदि से स्पष्ट नगरीय जीवन दृष्टिगोचर होता है।
- उद्योग शिल्प (Craft & Industry): Bead-making, weaving tools, रंगाई इकाइयाँ, terracotta seals, copper pendants, कांच के मनके, ivory bangles, gold ornaments, punch-marked silver coins आदि से विज्ञान, कला और व्यापार की जानकारी मिलती है।
- साक्षरता (Literacy): 120+ potsherds पर लिखी तमिल ब्राह्मी लिपि से यह बोध होता है कि समुदाय साहित्यिक एवं प्रशासनिक रूप से साक्षर था।
- व्यापारिक संबंध (Trade Links): Agate, Carnelian, lapis lazuli beads, Roman style pottery (rouletted), और पश्चिम एवं उत्तरी भारत से संपर्क के साक्ष्य मिलते हैं।

समय निर्धारण (Chronology):

- कोयले (charcoal) का AMS carbon dating ने 580 BCE से पहले की कालावधि (6वीं शताब्दी ईसा पूर्व) को पुष्ट किया; कुछ संग्रह 3rd century BCE तक के भी रहे हो सकते हैं। इससे कीज़डी की उम्र लगभग 2600 वर्ष पुरानी बताई जा सकती है।
- हालिया विवादों के बीच ASI ने सुझाव दिया कि सबसे पुराना काल 300 BCE से आगे नहीं जाना चाहिए।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व *(Cultural & Historiographical Significance)*

- Vaigai Valley Civilisation सेतु-स्थल बन चुका है, जहां से दक्षिण भारत की स्वतंत्र नगरी सभ्यता की पुष्टि मिलती है — एक उत्तर भारत केंद्रीकृत दृष्टिकोण (Indus first narrative) को यह चुनौती देता है।
- Tiruvilayadal Puranam के ग्रंथों में उल्लिखित Manalur व Konthagai जैसे स्थलों का Keezhadi से संबंध स्थापित हुआ है, जिससे संस्कृति एवं पुरातत्त्व का मिलन स्पष्ट होता है।

विवाद और प्रशासनिक बहस *(Controversies & Governance Dynamics)*

- ASI के रीव्यू का राजनीतिकरण: Tamil Nadu सरकार ने इसे दक्षिण की पहचान पर हमला बताया, जबकि केंद्र सरकार काासन कहा कि केवल वैज्ञानिक पुष्टि माँगी गई है।
- Dravidian parties ने ASI की मांग को सांस्कृतिक स्वायत्तता पर हमला बताया; Madras HC ने अंतिम रूप से खुदाई की रिपोर्ट और पुरावशेष राज्य को सौंपने का निर्देश दिया था।
- तीसरे चरण के रिपोर्ट बनाने के लिए ASI ने सेवानिवृत्त पुरातत्वविद P. Sriraman को पुनः नियुक्त किया, ताकि रिपोर्ट समयबद्ध तरीके से साझा हो सके।

समकालीन अनुसंधान प्रवृत्तियाँ *(Contemporary Research)*

- Madurai Kamaraj University एवं Liverpool John Moores University के वैज्ञानिकों ने 2,500 वर्ष पुराने स्कल्स के आधार पर चेहरे का 3D पुनरुद्धार किया है—यह आधुनिक जनशक्ति और जातीय अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है। इससे यह पता चलता है कि Sangam Age के निवासियों की वंशपरंपरा एवं जीवनशैली अब वैज्ञानिक रूप से भी समझी जा सकती है।

निष्कर्ष *(Conclusion)*

- Keezhadi खुदाई ने दक्षिण भारत की नगरीय, साक्षर, व्यापार-उन्मुख एवं कलात्मक सभ्यता का ठोस प्रमाण प्रस्तुत किया है।
- यह स्थल इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, संघवाद, और क्षेत्रीय पहचान जैसे कई UPSC प्रासंगिक विषयों के लिए उपयोगी है।
- खंडित विवादों एवं पुनः परीक्षण माँगने की प्रक्रिया से प्रमाण प्रस्तुत करना चुनौतीपूर्ण रह सकता है परंतु कीज़डी अपनी वैज्ञानिक और वैध पुरातात्विक स्थिति से अनमोल बनी हुई है।

प्रारंभिक परीक्षा (Prelims):

- **प्रश्न: कीज़डी (Keezhadi) स्थल से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:**

1. कीज़डी स्थल वैगई नदी के तट पर तमिलनाडु के शिवगंगा ज़िले में स्थित है।
2. इस स्थल से प्राप्त तमिल-ब्राह्मी लिपि दर्शाती है कि यहाँ का समाज निरक्षर था।
3. कीज़डी खुदाई से प्राप्त अवशेष रोमन शैली की मिट्टी के बर्तनों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार की पुष्टि करते हैं।
4. ASI ने ही वर्ष 2024 से कीज़डी की खुदाई की कमान पूरी तरह से संभाल रखी है।

- **उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**
- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 4
- (d) 1, 3 और 4

सही उत्तर: (b) केवल 1 और 3

मुख्य परीक्षा (Mains):

- Ques: कीज़डी की खुदाई पारंपरिक इतिहास-व्याख्या को कैसे चुनौती देती है? इसके संघीय, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय प्रभाव स्पष्ट कीजिए। (15 Marks, 250 शब्द)